Total Pages : 5 **Roll No. ----------**

MAPSY-202

Clinical Psychology

नैदानिक मनोविज्ञान

M.A. Psychology (MAPSY)

2nd Year Examination June 2022

Time: 2 Hours Max. Marks: 80

Note : This paper is of Eighty (80) marks divided into two (02) Sections A and B. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

Section – A / खण्ड –क

(Long Answer – type questions) / (दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

Note: Section 'A' contains Five (05) long-answer-type questions of Twenty (20) marks each. Learners are required to answer any two (02) questions only.

[2 x 20 = 40]

P.T.O.

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

Q.1. What do you understand by the term 'Clinical psychology'? Explain the features and development of clinical psychology.
'नैदानिक मनोविज्ञान' शब्द से आप क्या समझते हैं?
नैदानिक मनोविज्ञान की विशेषताओं और विकास की व्याख्या करें।

Q.2. What is DSM? Explain the classification of DSM IV and its importance in the present scenario.
डी एस एम क्या है? डी एस एम IV के वर्गीकरण और वर्तमान परिदृश्य में इसके महत्व की व्याख्या करें।

Q.3. What do you mean by the term 'Group Therapy.? Explain the model of group therapy and its clinical applications in detail.
'सामूहिक चिकित्सा' शब्द का क्या अर्थ है? समूह चिकित्सा के मॉडल और इसके नैदानिक अनुप्रयोगों को विस्तार से समझाइए।

Q.4. Define psychological test? Explain various psychological tests used in psychological assessment

मनोवैज्ञानिक परीक्षण को परिभाषित करें? मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन में प्रयुक्त विभिन्न मनोवैज्ञानिक परीक्षणों की व्याख्या कीजिए।

Q.5. What do you mean by Clinical Psychologist? Illustrate various challenges faced by Clinical Psychologists in India.

नैदानिक मनोवैज्ञानिक से आप क्या समझते हो? भारत में नैदानिक मनोवैज्ञानिकों के समक्षं आने वाली विभिन्न चुनौतियों का वर्णन कीजिए।

Section – B / खण्ड – ख

(Short-answer-type questions) / लघु उत्तरों वाले प्रश्न

Note: Section 'B' contains Eight (08) short-answer-type questions of Ten (10) marks each. Learners are required to answer any Four (04) questions only.

[4 x 10 = 40]

P.T.O.

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

Q.1. Define Schizophrenia. Describe the clinical symptoms of schizophrenia.
सिज़ोफ्रेनिया को परिभाषित करें। सिज़ोफ्रेनिया के नैदानिक लक्षणों का वर्णन करें।

Q.2. Define psychoanalytic therapy? Explain the role of psychotherapy in clinical assessment.
मनोविश्लेषणात्मक चिकित्सा को परिभाषित करें? नैदानिक मूल्यांकन में मनोचिकित्सा की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

Q.3. Explain the nature of Clinical Psychology. Differentiate between Clinical Psychology and Abnormal Psychology.
नैदानिक मनोविज्ञान की प्रकृति की व्याख्या कीजिए। नैदानिक मनोविज्ञान और असामान्य मनोविज्ञान में अंतर स्पष्ट कीजिए।

Q.4. Define Psychotherapy? Explain the role of psychotherapy in clinical assessment.
मनोचिकित्सा को परिभाषित करें? नैदानिक मूल्यांकन में मनोचिकित्सा की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

Q.5. Explain Behavioural Therapy in detail.
व्यवहारपरक चिकित्सा को विस्तार पूर्वक समझाएं।

Q.6. Define Anxiety? Explain the causes and treatment of anxiety disorder.
चिंता को परिभाषित करें? चिंता विकार के कारण और उपचार की व्याख्या करें।

Q.7. What is phobia? Explain the types of phobias.
फोबिया क्या है? फोबिया के प्रकारों की व्याख्या कीजिए।

Q.8. Describe the client-centered therapy.
रोगी–केंद्रित चिकित्सा का वर्णन करें।

****